



गवार दलि को छू लेने वाली कहानी

एक लड़की की शादी उसकी मर्जी के खिलाफ एक सधि
साथे लड़के से की जाती है जिसके घर में एक माँ के आलावा
और कोई नहीं है।

दहेज में लड़के को बहुत सारे उपहार और पैसे मिले होते हैं।
लड़की किसी और लड़के से बेहद प्यार करती थी और लड़का
भी...

लड़की शादी होके आ गयी अपने ससुराल...सुहागरात के
वक्त लड़का दूध लेके आता है तो दुल्हन सवाल पूछती है
अपने पतिसे...एक पत्नी की मर्जी के बिना पति उसको
हाथ लगाये तो उसे बलात्कार कहते हैं या हक?

पति - आपको इतनी लम्बी और गहरी जाने की कोई
जरूरत नहीं है..

बस दूध लाया हूँ पी लजियेगा.. हम सिर्फ आपको शुभ
रात्रि कहने आये थे कहके कमरे से निकल जाता है। लड़की
मन मारकर रह जाती है क्योंकि लड़की चाहती थी की
झगड़ा हो ताकी मैं इस गंवार से पछि छुटा सकूँ।

हैं तो दुल्हन मगर घर का कोई भी काम नहीं करती। बस
दैनिकी online रहती और न जाने कसि कसि से बातें
करती मगर उधर लड़के की माँ बिना शिकायत के दैनिकी भर
चुल्हा चौका से लेकर घर का सारा काम करती मगर हर
पल अपने होंठों पर मुस्कुराहट लेके फरिती। लड़का एक
कम्पनी में छोटा सा मुलाजीम है और बेहद ही मेहनती और
इमानदार। करीब महीने भर बति गये मगर पति पत्नी
अब तक साथ नहीं सोये... वैसे लड़का बहुत शांत स्वभाव
वाला था इसलिए वह ज्यादा बातें नहीं करता था, बस
खाने के वक्त अपनी पत्नी से पूछ लेता था कि... कहा
खाओगी..अपने कमरे में या हमारे साथ। और सोने से पहले
डायरी लिखने की आदत थी जो वह हर रात को लिखता
था।

ऐसे लड़की के पास एक स्कूटी था वह हर रोज बाहर
जाती थी पति के अफिस जाने के बाद और पति के वापस
लौटते ही आ जाती थी। छुट्टी का दिन था लड़का भी
घर पे ही था तो लड़की ने अच्छे भले खाने को भी गंदा
कहके माँ को अपशब्द बोलके खाना फेंक देती है मगर वह
शांत रहने वाला उसका पति अपनी पत्नी पर हाथ उठा
देता है मगर माँ अपने बेटे को बहुत डांटती है। इधर
लड़की को बहाना चाहिए था झगड़े का जो उसे मिल गया
था, वह पैर पटकती हुई स्कूटी लेके निकल पड़ती है। लड़की
जो रोज घर से बाहर जाती थी वह अपने प्यार से मिलने
जाती थी, लड़की भले दूटकर चाहती थी लड़के को मगर
उसे पता था की हर लड़की की एक हद होती है जिसे
इज्जत कहते हैं वह उसको बचाये रखी थी। इधर लड़की
अपने प्यार के पास पहुँचकर कहती है।

अब तो एक पल भी उस घर में नहीं रहना है मुझे। आज
गंवार ने मुझपर हाथ उठाके अच्छा नहीं किया।

लड़का - अरे तुमसे तो मैं कब से कहता हूँ की भाग चलो मेरे
साथ कहीं दूर मगर तुम हो की आज कल आज कल पे लगी



रहती हो।

लड़की - शादी के दनि मैं आई थी तो तुम्हारे पास। तुम ही ने तो लौटाया था मुझे ।

लड़का - खाली हाथ कहा तक भागोगे तुम ही बोलो..मैंने तो कहा था कि कुछ पैसे और गहने साथ ले लो तुम तो खाली हाथ आई थी।

आखिर दूर एक नयी जगह मे जदिगी नये सरि से शुरू करने के लिए पैसे तो चाहिए न?

लड़की - तुम्हारे और मेरे प्यार के बारे मे जानकर मेरे घरवालो ने बैंक के पास बुक एटी एम और मेरे गहने तक रख लिये थे। तो मैं क्या लाती अपने साथ । हम दोनों मेहनत करके कमा भी तो सकते थे।

लड़का - चलाकर इंसान पहले सोचता है और फिर काम करता है। खाली हाथ भागते तो ये इश्क का भूत दो दनि मे उतर जाता समझी?

और जब भी तुम्हें छुना चाहता हूँ बहुत नखरे है तुम्हारे । बस कहती हो शादी के बाद ।

लड़की - हाँ शादी के बाद ही अच्छा होता है ये सब और सब तुम्हारा तो है। मैं आज भी एक कुंवारी लड़की हूँ । शादी करके भी आज तक उस गंवार के साथ सो न सकी क्योंकि तुम्हें ही अपना पतमान चुकी हूँ बस तुम्हारे नाम की सद्दिर लगानी बाकी है। बस वह लगा दो सबकुछ तुम अपनी मर्जी से करना।

लड़का - ठीक है मैं तैयार हूँ । मगर इस बार कुछ पैसे जरूर साथ लेके आना, मत सोचना हम दौलत से प्यार करते हैं । हम सरिफ तुमसे प्यार करते है बस कुछ छोटी मोटी बजिनेस के लिए पैसे चाहिए ।

लड़की - उस गंवार के पास कहा होगा पैसा, मेरे बाप से 3 लाख रूपया उपर से मारूती कार ली है।

बस कुछ गहने है वह लेके आउगी आज।

लड़का लड़की को होटल का पता देकर चला जाता है ।

लड़की घर आके फिर से लड़ाई करती है।

मगर अफसोस वह अकेली चलिलाती रहती है उससे लड़ने वाला कोई नहीं था।

रात 8 बजे लड़के का मैसेज आता है वाटसप पे की कब आ रही हो?

लड़की जवाब देती है सब्र करो कोई सोया नहीं है। मैं 12 बजे से पहले पहुँच जाउगी क्योंकि यिंहा तुम्हारे बनि मेरी सांसे घुटती है।

लड़का -ओके जल्दी आना। मैं होटल के बाहर खड़ा रहूंगा
bye

...

लड़की अपने पतको बोल देती है की मुझे खाना नहीं चाहिए मैंने बाहर खा लिया है इसलिए मुझे कोई परेशान न करे इतना कहके दरवाजा बंद करके अंदर आती है की...पतबोलता है की...वह आलमारी से मेरी डायरी दे दो फिर बंद करना दरवाजा। हम परेशान नहीं करेंगे ।

लड़की दरवाजा खोले बनि कहती है की चाभीया दो अलमारी की,

लड़का - तुम्हारे बसितर के पैरों तले है चाबी ।



मगर लड़की दरवाजा नहीं खोलती वल्की जोर जोर से गाना सुनने लगती है। बाहर पतकिछ देर दरवाजा पटिता है फरि हारकर लौट जाता है। लड़की ने बड़े जोर से गाना बजा रखा था। फरि वह आलमारी खोलके देखती है जो उसने पहली बार खोला था, क्योंकि वह अपना समान अलग आलमारी मे रखती थी।

आलमारी खोलते ही हैरान रह जाती है। आलमारी मे उसके अपने पास बुक एटी एम कार्ड थे जो उसके घरवालो ने छीन के रखे थे

खोलके चेक कयिा तो उसमें वह पैसे भी एड थे जो दहेज मे लड़के को मलि थे। और बहुत सारे गहने भी जो एक पेपर के साथ थे और उसकी मलिकीयेत लड़की के नाम थी, लड़की बेहद हैरान और परेशान थी। फरि उसकी नजर डायरी मे पड़ती है और वह जल्दी से

वह डायरी नकिलके पढने लगती है।

लखिा था, तुम्हारे पापा ने एक दनि मेरी मां की जान बचाइ थी अपना खून देकर । मैं अपनी माँ से बेहद प्यार करता हूँ इसलएि मैंने झूककर आपके पापा को प्रणाम करके कहा की...आपका ये अनमोल एहसान कभी नही भूलूंगा, कुछ दनि बाद आपके पापा हमारे घर आये हमारे तुम्हारे रशिते की बात लेकर मगर उन्होंने आपकी हर बात बताई हमें की आप एक लड़के से बेहद प्यार करती हो। आपके पापा आपकी खुशी चाहते थे इसलएि वह पहले लड़के को जानना चाहते थे। आखरि आप अपने पापा की princess जो थी और हर बाप अपने Princess के लएि एक अच्छा इमानदार Prince चाहता है। आपके पापा ने खोजकर के पता लगाया की वह लड़का बहुत सी लड़की को धोखा दे चुका है। और पहली शादी भी हो चुकी है पर आपको बता न सके क्योंकि उन्हें पता था की ये जो इश्क का नशा है वह हमेशा अपनों को गैर और गैर को अपना समझता है।

एक बाप के मुँह से एक बेटि की कहानी सुनकर मैं अचम्भीत हो गया। हर बाप यंहा तक शायद ही सोचे। मुझे यकीन हो गया था की एक अच्छा पति होने का सम्मान मलि न मलि मगर एक दामाद होने की इज्जत मैं हमेशा पा सकता हूँ।

मुझे दहेज मे मलि सारे पैसे मैंने तुम्हारे ए काउण्ट मे कर दएि और तुम्हारे घर से मलि गाडी आज भी तुम्हारे घर पे है जो मैंने इसलएि भेजी ताकी जब तुम्हें मुझसे प्यार हो जाये तो साथ चलेंगे कही दूर घूमने। दहेज...इस नाम से नफरत है मुझे क्योंकि मैंने इ दहेज मे अपनी बहन और बाप को खोया है। मेरे बाप के अंतमि शब्द भी येही थे की..कीसी बेटि के बाप से कभी एक रूपया न लेना। मर्द हो तो कमाके खलिना, तुम आजाद हो कहीं भी जा सकती हो। डायरी के बचि पन्नों पर तलाक की पेपर है जंहा मैंने पहले ही साईन कर दयिा है । जब तुम्हें लगे की अब इस गंवार के साथ नही रखना है तो साईन करके कहीं भी अपनी सारी चजि लेके जा सकती हो।

लड़की ...हैरान थी परेशान थी...न चाहते हुए भी गंवार के शब्दों ने दलि को छुआ था। न चाहते हुए भी गंवार के अनदेखे प्यार को महसूस करके पलके नम हुई थी।



आगे लखिा था, मैंने तुम्हें इसलिए मारा क्योंकि आपने मा को गाली दी, और जो बेटा खुद के आगे मा की बेइज्जती होते सहन कर जाये...फरि वह बेटा कैसा । कल आपके भी बच्चे होंगे । चाहे किसी के साथ भी हो, तब महसूस होगी माँ की महानता और प्यार। आपको दुल्हन बनाके हमसफर बनाने लाया हूँ जबरजस्ती करने नहीं। जब प्यार हो जाये तो भरपूर वसूल कर लूँगा आपसे...आपके हर गुस्ताखी का बदला हम शर्दित से लेंगे हम आपसे...गर आप मेरी हुई तो बेपनाह मोहबबत करके किसी और की हुई तो आपके हक मे दुवाये माँग के लडकी का फोन बज रहा था जो भायब्रेशन मोड पे था, लडकी अब दुल्हन बन चुकी थी। पलकों से आशू गरि रहे थे । ससिकते हुए मोबाइल से पहले समि नकाल के तोड़ा फरि सारा सामान जैसा था वैसे रख के न जाने कब सो गई पता नहीं चला। सुबह देर से जागी तब तक गंवार अफीस जा चुका था, पहले नहा धोकर साडी पहनी । लम्बी सी सदिर डाली अपनी माँग मे फरि मंगलसूत्र । जबकि पहले एक टीकी जैसी साईड पे सदिर लगाती थी ताकी कोई लडका ध्यान न दे मगर आज 10 कलौमीटर से भी दखिाई दे ऐसी लम्बी और गाढी सदिर लगाई थी दुल्हन ने। फरि कचिन मे जाके सासुमा को जबरदस्ती कमरे मे लेके तैयार होने को कहती है। और अपने गंवार पतकिे लएि थोडे नमकीन थोडे हलुवे और चाय बनाके अपनी स्कूटी मे सासुमा को जबरदस्ती बठिकर (जबकी कुछ पता ही नहीं है उनको की बहू आज मुझे कहा ले जा रही है बस बैठ जाती है) फरि रास्ते मे सासुमा को पतकिे अफीस का पता पूछकर अफीस पहुँच जाती है। पतकिे हिरान रह जाता है पत्नी को इस हालत मे देखकर। पतकिे- सब ठीक तो है न मां? मगर माँ बोलती इससे पहले पत्नी गले लगाकर कहती है की..अब सब ठीक है...I love you forever... अफीस के लोग सब खडे हो जाते है तो दुल्हन कहती है की..मै इनकी धर्मपत्नी हूँ । बनवास गई थी सुबह लौटी हूँ अब एक महीने तक मेरे पतदिव अफीस मे दखिाई नहीं देंगे अफीस के लोग? ????? दुल्हन - क्योंकि हम लम्बी छुट्टी पे जा रहे साथ साथ। पतकिे पागल... दुल्हन - आपके सादगी और भोलेपन ने बनाया है। सभी लोग तालीया बजाते है और दुल्हन फरि से लपिट जाती है अपने गंवार से ... जंहा से वह दोबारा कभी भी छूटना नहीं चाहती। * बडे कडे फैसले होते है कभी कभी हमारे अपनों की मगर हम समझ नहीं पाते की...हमारे अपने हमारी फकिर खुद से ज्यादा क्यों करते है* * मां बाप के फैसलों का सम्मान करे* क्योंकि ये दो ऐसे शख्स है जो आपको हमेशा दुनयिादारी से ज्यादा प्यार करते है ।